NEWS CLIPPING: 29.07.2021

THE TRIBUNE

AWARENESS ON 'CYBER CRIMES & LAWS'

Faridabad: The department of computer engineering of JC Bose University of Science and Technology, Faridabad, in association with Faridabad Industries Association (FIA) organised a virtual session on the topic 'Cyber crimes and laws' for students, scholars and industry persons recently. The session was attended by about 250 participants. Dean of faculty of informatics and computing Dr Komal Kumar Bhatia talked about the need of cyber security. DCP (Crime) Jaibir Singh gave examples of actual crime cases they were dealing with and said that most cybercrimes occured for money.

The Tribune Thu, 29 July 2021 https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 29.07.2021

PUNJAB KESARI

साइबर अपराध और कानून विषय पर आनलाइन व्याख्यान सत्र का आयोजन

साइबर अपराधों को लेकर जागरूकता का अभावः जयबीर सिंह

फरीदाबाद, 28 जुलाई (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआईए) के सहयोग से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और उद्योग से जुड़े लोगों के लिए साइबर अपराध और कानून विषय पर आनलाइन व्यायान सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सत्र में डीसीपी क्राइम ब्रांच फरीदाबाद जयबीर सिंह, फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के लॉ एंड ऑर्डर पैनल के अध्यक्ष और ओमेगा कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स के सीएमडी श्री संजय गुलाटी, एंटरप्रेन्योरियल लॉ क्लिनिक, लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली से डॉ अश्विनी सिवाल और शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ से डॉ. सुषमा सिंह मु य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की।

आनलाइन सत्र में साइबर सुरक्षा को लेकर चर्चा करते हुए मुख्य वक्ता एवं अन्य प्रतिभागी।

सत्र की शुरुआत सूचना विज्ञान और कंप्यूटिंग संकाय के डीन डॉ कोमल कुमार भाटिया द्वारा स्वागतीय संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने साइबर सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत और विश्व स्तर पर कई डिजिटल हमले के मामले ने इसके सुरक्षा उपायों को जरूरी बना दिया है क्योंकि साइबर सुरक्षा उपायों को अपनाकर प्रारंभिक चरण में ऐसे हमलों को नियंत्रित किया जा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा को लेकर ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया तथा इसके आयोजन के लिए विभाग और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध, कानून और सुरक्षा मौजूदा समय में सबसे उभरते विषयों में से एक है। सत्र को संबोधित करते हुए डीसीपी (अपराध) फरीदाबाद जयबीर सिंह ने वास्तविक अपराध मामलों का उदाहरण दिया और कहा कि अधिकांश साइबर अपराध पैसे के लिए होते हैं। अन्य मामलों में, लोग डेटा चोरी करने और किसी अन्य व्यक्ति, उनके नेटवर्क या कंप्यूटर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं। वर्तमान समय में साइबर अपराध एक गंभीर समस्या है क्योंकि साइबर अपराधों को रोकने में सबसे बडी बाधाओं में से एक साइबर हाइजिन को लेकर जागरूकता का अभाव है। हाल के वर्षों में सरकार ने जांच में तेजी लाने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना के लिए जरूरी कदम उठाये है। संजय गुलाटी ने देश में साइबर अपराधों पर जानकारी सांझा की और कहा कि दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी इंटरनेट आबादी होने के नाते भारत एक डिजिटल गांव के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ विकसित हुए हैं। अपराधों की प्रकृति ऑनलाइन धोखाधड़ी से लेकर लॉटरी घोटाले और यौन उत्पीडन तक होती है। सत्र के अंत में कुलसचिव डॉ. सुनील गर्ग ने मु य वक्ताओं को धन्यवाद दिया। वेबिनार का समापन प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ जिसमें छात्रों ने विशेषज्ञों से जरूरी जानकारी हासिल की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि पोपली और जितेश मोदी ने किया, जबकि डॉ अमिता, डॉ प्रीति सेठी, डॉ अश्लेषा और डॉ ललित मोहन गर्ग ने इसके सुचारू संचालन में योगदान दिया।

NEWS CLIPPING: 29.07.2021

THE PIONEER

साइबर अपराधों को लेकर जागरुकता का अभाव

साइबर अपराध और कानून विषय पर आनलाइन व्याख्यान का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआईए) के सहयोग से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और उद्योग से जुड़े लोगों के लिए साइबर अपराध और कानून विषय पर आनलाइन व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सत्र में डीसीपी क्राइम ब्रांच जयबीर सिंह, इंडस्ट्रीज एसो. के लॉ एंड ऑर्डर पैनल के अध्यक्ष संजय गुलाटी, एंटरप्रेंयोरियल लॉ क्लिनिक, लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली से डॉ. अश्विनी सिवाल और शारदा विवि के स्कूल ऑफ लॉ से डॉ. सुषमा सिंह मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सत्र की शुरुआत सूचना विज्ञान और कंप्यूटिंग संकाय के डीन डॉ कोमल कुमार भाटिया द्वारा स्वागतीय संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने साइबर सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत और विश्व स्तर पर कई डिजिटल हमले के मामले ने इसके सुरक्षा उपायों को जरूरी बना दिया है क्योंकि साइबर सुरक्षा उपायों को अपनाकर प्रारंभिक चरण में ऐसे हमलों को नियंत्रित किया जा सकता है। प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा को लेकर ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया तथा इसके आयोजन के लिए विभाग और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध, कानून और सुरक्षा मौजूदा समय में सबसे उभरते विषयों में से एक है।

डीसीपी (अपराध) जयबीर सिंह ने वास्तविक अपराध मामलों का उदाहरण दिया और कहा कि अधिकांश साइबर अपराध पैसे के लिए होते हैं। अन्य मामलों में, लोग डेटा चोरी करने और किसी अन्य व्यक्ति, उनके नेटवर्क या कंप्यूटर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं।

NEWS CLIPPING: 29.07.2021

HINDUSTAN

'तकनीकी रूप से जागरूक होकर ही साइबर अपराधों पर लगेगी लगाम'

व्याख्यान

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग ने फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआईए) के सहयोग से छात्रों, शोधार्थियों और उद्योग से जुड़े लोगों के लिए साइबर अपराध और कानून विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों को बताया गया कि साइबर अपराध रोकने के लिए तकनीकी जागरुकता कितनी जरूरी है।

तकनीकी रूप से जागरूक होने पर ही साइबर अपराधों पर लगाम लगाई जा सकती है। इस सत्र में करीब 250 प्रतिभागियों ने शिरकत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में फरीदाबाद अपराध शाखा के डीसीपी जयबीर सिंह, एफआईए के कानून व्यवस्था प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संजय गुलाटी, दिल्ली विधि विश्वविद्यालय के डॉ. अश्वनी सिवाल और शारदा विश्वविद्यालय की डॉ. सुषमा सिंह ने बतौर मुख्य वक्ता व्याख्यान किया।

डीसीपी (अपराध) जयबीर सिंह ने वास्तविक अपराध मामलों का उदाहरण देते हुए कहा कि अधिकांश साइबर अपराध पैसे के लिए होते हैं। अन्य मामलों में, लोग डेटा चोरी करने और किसी अन्य व्यक्ति, उनके नेटवर्क या कंप्यूटर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं।

साइबर अपराध को बताया गंभीर समस्या : वर्तमान समय में साइबर अपराध एक गंभीर समस्या है क्योंकि साइबर अपराधों को रोकने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक साइबर हाइजिन को लेकर जागरुकता का अभाव है। हाल के वर्षों में सरकार ने जांच में तेजी लाने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। इसलिए साइबर अपराध रोकने के लिए तकनीकी जागरुकता बेहद आवश्यक है। एफआईए के कानून व्यवस्था प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संजय गुलाटी ने देश में साइबर अपराधों पर जानकारी साझा की।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में बुधवार को साइबर अपराध और कानून विषय को लेकर ऑनलाइन व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। ● हिन्दुस्तान

छात्रों के लिए साइबर सुरक्षा कार्यक्रम जरूरी बताए

प्रो. दिनेश कुमार ने छात्रों को साइबर सुरक्षा को लेकर ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया तथा इसके आयोजन के लिए विभाग और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध, कानून और सुरक्षा मौजूदा समय में सबसे उभरते विषयों में से एक है। कुलसचिव डॉ. सुनील गर्ग ने मुख्य वक्ताओं को धन्यवाद दिया। वेबिनार का समापन प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ जिसमें छात्रों ने विशेषज्ञों से जरूरी जानकारी हासिल की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि पोपली और जितेश मोदी ने किया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 29.07.2021

SATYAJAY TIMES

साइबर अपराध और कानून विषय पर आनलाइन व्याख्यान सत्र का आयोजन

फरीदाबाद, 28 जुलाई, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआईए) के सहयोग से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और उद्योग से जुड़े लोगों के लिए साइबर अपराध और कानून विषय पर आनलाइन व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सत्र में डीसीपी क्राइम ब्रांच फरीदाबाद श्री जयबीर सिंह, फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के लॉ एंड ऑर्डर पैनल के अध्यक्ष और ओमेगा कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स के सीएमडी श्री संजय गुलाटी, एंटरप्रेन्योरियल लॉ क्लिनिक, लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली से डॉ अश्विनी सिवाल और शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ से डॉ. सुषमा सिंह मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की।

सत्र की शुरूआत सूचना विज्ञान और कंप्यूटिंग संकाय के डीन डॉ कोमल कुमार भाटिया द्वारा स्वागतीय संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने साइबर सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत और विश्व स्तर पर कई डिजिटल हमले के मामले ने इसके सुरक्षा उपायों को जरूरी बना दिया है क्योंकि साइबर सुरक्षा उपायों को अपनाकर प्रारंभिक चरण में ऐसे हमलों को नियंत्रित किया जा सकता है।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा को लेकर ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया तथा इसके आयोजन के लिए विभाग और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध, कानून और सुरक्षा मौजूदा समय में सबसे उभरते विषयों में से एक है। सत्र को संबोधित करते हुए डीसीपी (अपराध) फरीदाबाद जयबीर सिंह ने वास्तविक अपराध मामलों का उदाहरण दिया और कहा कि अधिकांश साइबर अपराध पैसे के लिए होते हैं। अन्य मामलों में, लोग डेटा चोरी करने और किसी अन्य व्यक्ति, उनके नेटवर्क या कंप्यूटर को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं।

वर्तमान समय में साइबर अपराध एक गंभीर समस्या है क्योंकि साइबर अपराधों को रोकने में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक साइबर हाइजिन को लेकर जागरूकता का अभाव है। हाल के वर्षों में सरकार ने जांच में तेजी लाने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना के लिए जरूरी कदम उठाये है। संजय गुलाटी ने देश में साइबर अपराधों पर जानकारी साझा की और कहा कि दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी इंटरनेट आबादी होने के नाते भारत एक डिजिटल गांव के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ विकसित हुए हैं। अपराधों की प्रकृति ऑनलाइन धोखाधड़ी से लेकर लॉटरी घोटाले और यौन उत्पीड़न तक होती है।

सत्र के अंत में कुलसचिव डॉ. सुनील गर्ग ने मुख्य वक्ताओं को धन्यवाद दिया। वेबिनार का समापन प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ जिसमें छात्रों ने विशेषज्ञों से जरूरी जानकारी हासिल की।कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि पोपली और जितेश मोदी ने किया, जबकि डॉ अमिता, डॉ प्रीति सेठी, डॉ अश्लेषा और डॉ ललित मोहन गर्ग ने इसके सुचारू संचालन में योगदान दिया।

NEWS CLIPPING: 29.07.2021

DAINIK JAGRAN

व्याख्यान सत्र में साइबर सुरक्षा की आवश्यकता पर दिया बल

वि., फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआइए) के सहयोग से साइबर अपराध एवं कानून विषय पर आनलाइन व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों, शोधार्थियों और उद्योग से जुड़े लगभग 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सत्र में डीसीपी क्राइम जयबीर सिंह राठी, फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के ला एंड आर्डर पैनल अध्यक्ष व ओमेगा कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स के सीएमडी संजय गुलाटी, ला यूनिवर्सिटी दिल्ली से डा.अश्विनी सिवाल और शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल आफ ला से डा.सुषमा सिंह मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने की। सूचना विज्ञान और कंप्यूटिंग संकाय के डीन डा. कोमल कुमार भाटिया ने साइबर सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रो. दिनेश कुमार ने आयोजन के लिए विभाग और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। डीसीपी क्राइम जयबीर सिंह राठी ने वास्तविक अपराध मामलों का उदाहरण दिया और कहा कि अधिकांश साइबर अपराध पैसे के लिए होते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध एक गंभीर समस्या है। सीएमडी संजय गुलाटी ने कहा कि दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी इंटरनेट आबादी होने के नाते भारत एक डिजिटल गांव के रूप में उभर रहा है।

NEWS CLIPPING: 29.07.2021

NAVBHARAT TIMES

साइबर कानून की दी जानकारी

वस, फरीदाबाद: जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और फरीदाबाद इंडस्ट्रीज असोसिएशन के सहयोग से विद्यार्थियों, शोधार्थियों और उद्योग से जुड़े लोगों के लिए साइबर अपराध और कानून विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर डॉ. कोमल कुमार भाटिया, प्रो. दिनेश कुमार, डीसीपी क्राइम फरीदाबाद जयबीर सिंह, कुलसचिव डॉ. सुनील गर्ग मौजूद रहे।